



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 478]
No. 478]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 28, 1999/आश्विन 6, 1921
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 28, 1999/ASVINA 6, 1921

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1999

सा. का. नि. 669 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 842 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लागत लेखा अभिलेख (प्रशीतित्र) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (प्रशीतित्र) संशोधन नियम, 1999 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. लागत लेखा अभिलेख (प्रशीतित्र) नियम, 1967 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3 में,—

(क) उपनियम (1) में “1 अक्टूबर, 1967 को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले” शब्दों, अंकों और अक्षरों के पश्चात् “और 31 मार्च, 2000 तक के” शब्द, अंक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(3) ऐसी प्रत्येक कंपनी, जिसे ये नियम लागू होते हैं, 1 अप्रैल, 2000 को या उसके पश्चात् प्रारंभ होने वाले अपने प्रत्येक वित्तीय वर्ष की बाबत उचित लेखा बहियां रखेगी, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ सामग्री, श्रम और लागत की अन्य मर्दों के उपयोग के संबंध में जहाँ तक वे प्रशीतित्रों और संघटकों के विनिर्माण या उत्पादन से संबंधित हैं, इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 और उक्त अनुसूची में उल्लिखित प्रोफार्मा में विनिर्दिष्ट विशिष्टियां होंगी;

परन्तु यदि उक्त कंपनी किसी अन्य उत्पाद/उत्पादों का विनिर्माण कर रही है या प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के विनिर्माण के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों में लगी हुई है, तो ऐसी सामग्री, श्रम और लागत की अन्य भवों के उपयोग के संबंध में, जहां तक वे ऐसे अन्य उत्पादों या क्रियाकलाप को लागू होते हैं, विशिष्टियां प्रशीतित्र और उनके संघटकों की लागत में सम्मिलित नहीं की जाएंगी।

(4) उपनियम (3) में निर्दिष्ट लेखा बहियां नियमित रूप से ऐसी रीति में रखी जाएंगी ताकि उनमें दर्ज विशिष्टियों से, प्रत्येक वित्तीय वर्ष में विनिर्मित/उत्पादित सभी प्रकार के प्रशीतित्रों और उनके संघटकों की उत्पादन लागत और विक्रय लागत की संगणना करना संभव हो सके और प्रत्येक ऐसी लेखा बही तथा उक्त अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा, कंपनी के उस वित्तीय वर्ष की, जिससे वह संबंधित है, समाप्ति से नब्बे दिन के भीतर पूरे कर लिए जाएंगे।

(5) सांख्यिकीय और अन्य अभिलेख इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 के उपबंधों के अनुसार रखे जाएंगे, जो ऐसे होंगे जिससे जहां तक संभव हो सके कंपनी के लागतों में अधिकतम मितव्ययिता प्राप्त करने और ऐसे आवश्यक आंकड़े उपलब्ध करने की दृष्टि से लागत लेखा परीक्षा (रिपोर्ट) नियम, 1996 में निर्दिष्ट सभी प्रश्नों पर युक्तियुक्त रूप से रिपोर्ट देने के लिए जो लागत लेखा परीक्षक द्वारा अपेक्षित है, विभिन्न संक्रियाओं और लागतों पर नियंत्रण रखने में समर्थ हो सकें।

(6) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (6) और उपधारा (7) में निर्दिष्ट प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह कंपनी द्वारा इस नियम के उपनियम (1), (2), (3), (4) और (5) के उपबंधों का उसी रीति से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी युक्तियुक्त कदम उठाए, जिस रीति से वह उक्त अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अधीन अपेक्षित लेखाओं को रखने के लिए उत्तरदायी है।

3. उक्त नियम से उपाबद्ध अनुसूची - 2 के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूची अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

“अनुसूची - 3

[नियम 3(3) देखिए]

1. सामग्री और संघटक —

(1) प्रत्येक प्रकार के, प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के उत्पादन के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री के प्रत्येक मद की, जैसे एचआईपी कणों, फेनन रसायनों, सीआरसी पन्नों, जिसके अन्तर्गत क्रय किए गए संघटकों जैसे संपीडित्र, व्यारोध द्रे, कंविक द्रे, तापस्थानी इत्यादि भी सम्मिलित हैं, प्रत्येक मद की सभी प्राप्तियों, निर्गमों और अतिशेष की मात्राएं और लागत, दोनों को पृथक-पृथक दर्शित करने वाले उचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन अभिलेखों में ऐसे और दिए जाएंगे जिससे कि कंपनी ऐसी सभी कच्ची सामग्री के प्रत्येक भवों की मात्रा और प्राप्तियों की लागत (जिसके अन्तर्गत सभी मुख्य सामग्रियों की बाबत संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार हैं जैसे माल भाड़ा और बीमा) निर्गम और अतिशेष मात्रा और साथ ही मूल्य अवधारित कर सके। वह आधार, जिस पर उक्त मात्राएं तथा निर्गमों और उपभोग की लागत की संगणना की गई है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा और उसका संगत रूप से अनुसरण किया जाएगा। आयातित कच्ची सामग्री की दशा में, अभिलेख, पृथक और जैसे पोत पर्यन्त मूल्य, समुद्र पार का भाड़ा, बीमा, सीमा शुल्क और अन्तर्देशीय भाड़ा प्रभारों जैसे और दोनों को पृथक रूप से दर्शित करते हुए रखे जाएंगे। यदि आयातित और स्वदेशी दोनों सामग्रियों का उपभोग किया जाता है तो प्रत्येक मद के लिए उनके मिश्रित किए जाने की प्रतिशतता को दर्शित करते हुए अभिलेख रखे जाने चाहिए। बाह्य पक्षकारों के माध्यम से प्रसंस्कृत सामग्री को पृथक रूप से अभिलिखित किया जाएगा।

(2) यदि कंपनी मुख्य संघटकों का विनिर्माण खयं करती है, तो उस दशा में, ऐसे संघटकों के किए गए विनिर्माण की मात्रा और उनके विनिर्माण/उत्पादन की लागत का पृथक अभिलेख रखा जाएगा।

(3) किसी उपभोज्य सामान, औजारों तथा मशीनरी के पुर्जों आदि के प्रत्येक मद की प्राप्तियां, निर्गमों और अतिशेषों की मात्राएं और लागत, दोनों के दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। लागत में संकर्म तक के सभी प्रत्यक्ष प्रभार सम्मिलित होंगे।

- (4) उपभोज्य सामान और छोटे औजारों की दशा में जिनकी लागत नगण्य है, यदि कंपनी चाहे तो ऐसे उपभोज्य सामान और औजारों का अभिलेख सामूहिक रूप से रख सकेगी ।
- (5) उपभोज्य सामान, छोटे औजार और मशीनरी के पुजौं के उपभोग की लागत वास्तविक निर्गमों के आधार पर सुसंगत लागत केन्द्रों/विभागों पर प्रभारित की जाएगी ।
- (6) कच्ची सामग्री के अपशिष्टों, विकृतियों, प्रक्षेपणों और हानियों की मात्रा और मूल्य को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे वह अभिवहन या भंडारकरण, विनिर्माण में या किसी अन्य प्रक्रम पर हुई हैं । उत्पाद की लागत का अवधारण करते समय उपर्युक्त अस्वीकृत तथा अपशिष्ट जिनमें विकृतियां भी हैं, यदि कोई हों, के समायोजन के लिए अनुसरित पक्षति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी । किन्तु असामान्य अपशिष्टों या विकृतियों या प्रतिक्षेपण को उनके कारणों सहित सुभिन्नतया और पृथक रूप से उपदर्शित किया जाएगा । ऐसी कच्ची सामग्री और तैयार तथा आधे तैयार संघटकों का, जिन्हें 12 मास से अधिक समय से उपयोग में नहीं लाया गया है, मूल्य उपदर्शित करने के लिए भी अभिलेख रखे जाएंगे ।

- (7) जहां उपांतरित मूल्यवर्धित कर (मोडेट) के अधीन कोई मुजरा या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन किसी सामग्री की किसी मद पर कोई अन्य फायदा उपलब्ध है वहां ऐसी सामग्री की लागत को ऐसे मुजरा या फायदों के समायोजन करने के पश्चात् दर्शाया जाना चाहिए ।

2. वेतन और मजदूरी :

- (1) लागत केन्द्रों/विभागों के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति और उनके उपार्जनों तथा उस कार्य को जिसमें वे नियोजित किए गए हैं, उपदर्शित करते हुए समुचित अभिलेख रखे जाएंगे । प्रत्येक लागत केन्द्र/विभाग के लिए पृथक रूप से निम्नलिखित भी अभिलेख में उपदर्शित किए जाएंगे :—

(क) मात्रानुपाती दर मजदूरी (जहां लागू हो) ;

(ख) प्रोत्साहन मजदूरी, व्यष्टिक या सामूहिक रूप से जो उत्पादन बोनस के रूप में या उत्पादन पर आधारित किसी अन्य स्कीम के अधीन है ;

(ग) अतिकालिक मजदूरी ;

(घ) नैमित्तिक श्रमिकों के उपार्जन :

(ङ) बोनस या उपदान ;

(च) कोई अन्य उपार्जन ।

- (2) अभिलेख ऐसी रीति से रखे जाएंगे कि कंपनी इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची 3 के प्रोफार्मा में इस शीर्ष के अधीन आवश्यक विशिष्टियां देने में समर्थ हो सके । अभिलेख ऐसी रीति से रखे जा सकेंगे कि इन व्ययों को लागत केन्द्रानुसार/विभागानुसार दर्ज किया जा सके, जैसे गढ़ाई शाला, पेंट शाला, निर्वात फेन शाला, समंजन शाला आदि । जहां कर्मचारी ऐसी रीति से काम करते हैं कि उनकी पहचान किसी लागत केन्द्र/विभाग से करनी संभव न हो वहां श्रम प्रभारों को लागत केन्द्रों/विभागों में साम्यापूर्ण आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और उन्हें संगत रूप से लागू किया जाएगा ।

- (3) खाली समय को वर्गीकृत शीर्षकों के अधीन, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें उपदर्शित करते हुए पृथकतः अभिलिखित किया जाएगा । उत्पाद की लागत के अवधारण में खाली समय के लिए संदाय का लेखा रखने के लिए अपनाई जाने वाली पद्धति को लागत अभिलेख में प्रकट किया जाएगा ।

- (4) पूंजी संकर्म, जैसे संयंत्र और मशीनरी, भवन या अन्य स्थित आस्तियों में संवर्धन को आबंटनीय किन्तु भजदूरियों और वेतनों का लेखा सुसंगत पूंजी शीर्ष के अधीन दिया जाएगा ।

3. सेवा विभाग व्यय :

- प्रत्येक सेवा विभाग/लागत केन्द्र जैसे प्रयोगशाला, कल्याण, परिवहन आदि की बाबत उपगत व्ययों को उपदर्शित करने वाले व्यैरेवार अभिलेख रखे जाएंगे । ये व्यय अन्य सेवाओं और उत्पादन विभागों को साम्यापूर्ण और युक्तियुक्त आधार पर विभाजित किए जाएंगे और संगत रूप से लागू किए जाएंगे । जहां इन

सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है वहां किसी प्रकार की प्रशीतित्रों और उनके संघटकों और अन्य उत्पादों के बीच प्रभाजन का आधार साम्यपूर्ण होगा और अभिलेखों में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और संगतरूपतः लागू किया जाएगा।

4. उपयोगिताएं :

(1) शक्ति : विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों में प्रशीतित्रों और उसके संघटकों के उत्पादन के लिए क्रय की गई शक्ति की यूनिटों और लागत का समुचित अभिलेख रखा जाएगा। जहां कंपनी द्वारा स्वयं शक्ति उत्पादित की जाती है वहां विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों में प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के उत्पादन के लिए उत्पादित और प्रयोग की गई शक्ति की लागत दर्शाने हेतु लागत के सभी तत्व दर्शाने वाला पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेख में प्रत्येक लागत केन्द्र/विभाग में स्थापित क्षमता, उत्पादित यूनिटों की संख्या, हानियां और उपभोग भी पृथकतः उपदर्शित होगा। जहां कंपनी के किसी अन्य यूनिट द्वारा शक्ति उत्पादित करके प्रशीतित्र संयंत्र को प्रदाय की जाती है वहां इस प्रकार प्रदाय की गई शक्ति की मात्रा और उसकी लागत उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा। प्रशीतित्रों और उसके संघटकों के उत्पादन या विनिर्माण को आवंटित शक्ति की लागत युक्तियुक्त आधार पर होगी और संगतरूपतः लागू की जाएगी। अभिलेख में ऊर्जा संरक्षण के संबंध में किए गए उपायों और उनका यूनिट उत्पादन लागत पर तत्पानी प्रभावों को स्पष्ट रूप से बताया जाएगा।

(2) अन्य उपयोगिताएं - प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के उत्पादन या विनिर्माण के लिए कंपनी द्वारा उत्पादित या क्रय की गई शक्ति से भिन्न उपयोगिताओं की बाबत मात्रा और लागत को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे।

5. कार्यशाला/मरम्मत और अनुरक्षण/औजार कक्ष -

(1) कार्यशाला/औजार कक्ष द्वारा विभिन्न शीर्षों के अधीन उपगत व्यय और विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों द्वारा मरम्मत तथा अनुरक्षण पर हुए व्यय दर्शाने वाला अभिलेख रखा जाएगा। अभिलेखों में भिन्न भिन्न लागत केन्द्रों/विभागों पर कार्यशाला/औजार कक्ष व्यय के प्रभारण का आधार भी उपदर्शित किया जाएगा। जहां अनुरक्षण कार्य किसी उत्पादन लागत केन्द्र/विभाग के कर्मकारों द्वारा सीधे किया जाता है वहां ऐसे व्यक्तियों की मजदूरी और वेतन, संबंधित लागत केन्द्र/विभाग के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे। यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों के लिए भी उपयोग किया जाता है वहां ऐसे व्यक्तियों की मजदूरी और वेतन संबंधित लागत केन्द्र/विभाग के प्रत्यक्ष व्यय माने जाएंगे। यदि सेवाओं का अन्य उत्पादों के लिए भी उपयोग किया जाता है तो ऐसे उत्पादों पर अंश के प्रभारण की रीति साम्यपूर्ण होगी जो अभिलेख में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी और उसे संगतरूपतः लागू किया जाएगा। उपरोक्त के अतिरिक्त, अभिलेख में ऐसी मदों को व्यक्त करने वाले, जिनका 24 मास से अधिक की अवधि से उपयोग नहीं किया गया है, भेड़ारों और अतिरिक्त पुर्जों की रकम और उसका समानुपात या अंतिम तालिका को भी उपदर्शित किया जाना चाहिए।

(2) मुख्य मरम्मत संकर्मों पर व्यय, जिनके एक से अधिक वित्तीय वर्षों में फायदा प्रोद्भूत करने की संभावना है, लागत अभिलेखों में पृथक रूप से इस प्रकार दर्शित किया जाएगा कि उससे उस अवधि, जिसके लिए ऐसे व्यय से फायदा होने की संभावना है, के प्रति निदेश से लागत का अवधारण करने की लेखा पद्धति उपदर्शित हो।

6. अवक्षयण :

उस आधार को जिस पर अवक्षयण की संगणना की जाती है और विभिन्न लागत केन्द्रों/विभागों को उसका आबंटन/प्रभाजन किया जाता है और सभी उत्पादों के साथ आमेलन किया है, लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूपसे उपदर्शित किया जाएगा। यदि लागत केन्द्रों और विभागों को प्रभार्य अवक्षयण कंपनी अधिनियम, 1958 (1958 का 1) की धारा 205 की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन विहित अवक्षयण की दर से अधिक या कम है तो अधिक या कम अवक्षयण की ऐसी रकम को लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित किया जाएगा। लागत अभिलेख प्रशीतित्रों और उनके संघटकों की प्रति यूनिट लागत पर यथास्थिति ऐसे अधिक्य या निम्नतर अवक्षयण के प्रभाव को उपदर्शित करेगा। आस्ति की किसी एकल मद के लिए लागत, अभिलेख में प्रभारित संघीयी अवक्षयण संबंधी आस्ति की मूल लागत से अधिक नहीं होगी।

7. अन्य उपरिव्यय :

(1) प्रतिनिर्देशाधीन अन्य उपरिव्ययों को समाविष्ट करने वाले व्ययों की विभिन्न मदों को दर्शित करने वाले समुचित अभिलेख रखे जाएंगे। इन व्ययों को कृत्यों अर्थात् संकर्म, प्रशासन और विक्रय तथा वितरण के अनुसार विश्लेषित, वर्गीकृत और समूहित किया जाएगा।

(2) जहां कंपनी प्रशीतित्रों और उनके संघटकों से भिन्न अन्य उत्पादों का विनिर्माण कर रही है, वहां अभिलेख, सामूहिक उपरिव्ययों के, जिनके अन्तर्गत ऐसे उत्पादों और प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के लिए कंपनी के प्रधान कार्यालय का व्यय भी है, जिसमें पूँजी संकर्म भी सम्मिलित है, प्रभाजन के लिए अपनाए गए आधार स्पष्ट रूप से उपदर्शित करेंगे। यदि उपरिव्यय में सम्मिलित करिपय व्ययों की पहचान किसी विशिष्ट क्रियाकलाप या उत्पाद के रूप में स्थापित की जा सकती है तो ऐसे व्ययों को पृथक कर दिया जाएगा और यह प्रथमदृष्ट्या सुसंगत क्रियाकलाप या उत्पाद पर प्रभारित होगा और उसके पश्चात् उपरिव्ययों के उपरोक्त प्रवर्ग के अधीन अवशेष व्यय युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर प्रभाजित किया जाएगा और इसे समरूपतः लागू किया जाएगा। पूँजीगत संकर्मों पर प्रभाजित उपरिव्यय लागत अभिलेखों में पृथक रूप से दर्शित किए जाएंगे। लागत अभिलेखों में लागत केन्द्रों/विभागों तथा उत्पादों पर उपरिव्ययों के प्रभाजन और आमेलन का आधार उपदर्शित किया जाएगा।

(3) अभिलेख ऐसी रीति में रखे जाएंगे जिससे कि संकर्म, प्रशासन, विक्रय और वितरण संबंधी उपरिव्ययों के ब्यौरे उपदर्शित हो सके।

8. स्वामिस्व/तकनीकी व्यवहार ज्ञान फ्रीस :

सहयोगकर्ताओं या प्रौद्योगिकी प्रदायकर्ताओं को, उनके साथ किए गए करारों के निबंधनों के अनुसार प्रतिनिर्देशाधीन उत्पाद के लिए किए गए स्वामिस्व और/या तकनीकी व्यवहार ज्ञान फ्रीस को जिसमें अन्य आवश्यक अनावश्यक संदाय, यदि कोई हो, दर्शित करने वाले पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसे अभिलेख प्रत्येक ऐसे सहयोगकर्ता या प्रदायकर्ता के संबंध में अलग-अलग रखे जाएंगे। ऐसी रकमों को, जिनके अन्तर्गत एक मुश्त संदाय भी है, उत्पादों पर प्रभारित करने का आधार, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा।

9. अनुसंधान और विकास व्यय :

(1) कंपनी द्वारा, इन नियमों के अधीन आने वाले उत्पादों के अनुसंधान और विकास कार्य पर उत्पादों, विद्यमान और नये उत्पाद के विकास की, विनिर्माण प्रक्रियाओं, विद्यमान और नई के विकास की, नई संयंत्र सुविधाओं के डिजाइन तथा विकास की और विद्यमान तथा नए उत्पादों के लिए बाजार अनुसंधान इत्यादि की प्रकृति के अनुसार, उपगत व्यय के, यदि कोई हों, ब्यौरे दर्शित करने वाले उचित अभिलेख पृथक रूप से रखे जाएंगे।

(2) प्रशीतित्रों और उनके संघटकों और अन्य सभी उत्पादों पर हन व्ययों के प्रभारण की पद्धति लागत अभिलेखों में उपदर्शित की जाएगी। जहां ऐसे अनुसंधान और विकास कार्य की उपयोगिता एक से अधिक विस्तीर्ण वर्षों पर विस्तारित होती है, वहां ऐसे व्यय आस्थगित व्यय के रूप में माने जाएंगे और प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के उत्पादन और अन्य सभी उत्पादों, यदि कोई हों, की लागत पर युक्तियुक्त आधार पर प्रभारित किए जाएंगे और संगत रूप से लागू होंगे।

(3) बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने के लिए अनुसंधान और विकास विभाग द्वारा उपगत व्यय पृथक रूप से अभिलेखित किया जाएगा और प्रशीतित्रों और उनके संघटकों की लागत से अलग रखा जाएगा। बाहरी व्यक्तियों को तकनीकी व्यवहार ज्ञान प्रदान करने से प्राप्त राशि को भी पृथक रूप से उपदर्शित किया जाएगा।

10. क्वालिटी नियंत्रण :

प्रतिनिर्देशाधीन उत्पाद के लिए क्वालिटी नियंत्रण विभाग/लागत केन्द्र की बाबत उपगत व्यय को उपदर्शित करने के लिए पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। जहां इन सेवाओं का उपयोग कंपनी के अन्य उत्पादों के लिए भी किया जाता है वहां प्रशीतित्रों और उनके संघटकों और अन्य उत्पादों के प्रभाजन का आधार साम्यपूर्ण होगा और अभिलेख में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और संगतरूपतः लागू किया जाएगा।

11. ब्याज :

हन नियमों के अन्तर्गत आनेवाले उत्पादों और अन्य क्रियाकलापों पर ब्याज की रकम युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण आधार पर आवंटित या प्रभाजित की जाएगी और उसका संगत रूप से अनुसरण किया जाएगा। ऐसे उत्पादों की विभिन्न किसी पर ब्याज के अंश को और प्रभाजित करने का आधार भी युक्तियुक्त और साम्यपूर्ण होगा और उनका संगत रूप से अनुसरण किया जाएगा। ऐसे आवंटन या प्रभाजन का आधार लागत अभिलेख/विवरण में स्पष्ट रूप से दर्शाया जाएगा।

12. निर्यात व्यय/प्रोत्साहन :

प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के निर्यात विक्रय पर, उपगत व्ययों को, यदि कोई हो, दर्शित करने के लिए समुचित अभिलेख अलग-अलग इस प्रकार रखे जाएंगे ताकि निर्यात विक्रय की लागत सही रूप से अवधारित की जा सके। निर्यात किए गए प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के लिए लागत विवरण पृथकतः तैयार किए जाएंगे जिसमें उपगत निर्यात व्ययों/अर्जित प्रोत्साहनों का ब्लौरा दिया जाएगा। यदि निःशुल्क आयात किया गया है तो यह तथ्य लागत विवरणों में व्यक्त किया जाना चाहिए। यदि निःशुल्क आयात वास्तविक उत्पादन के पश्चात् किया गया है तो विवरण से यह तथ्य स्पष्ट होना चाहिए।

13. पैकिंग व्यय :

(1) प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के विपणन के लिए विभिन्न पैकिंग सामग्री की मात्रा और लागत तथा पैकिंग पर उपगत अन्य व्ययों को दर्शाते हुए समुचित अभिलेख रखा जाएगा। जहां ऐसे व्यय अन्य उत्पादों के लिए भी सम्मिलित रूप में उपगत होते हैं वहां सुसंगत उत्पादों के बीच व्ययों के प्रभाजन का आधार लागत लेखा में स्पष्टतः उपदर्शित किया जाएगा और यह संगत रूप से लागू रहेगा।

(2) निर्यात पैकिंग पर उपगत व्यय का, यदि कोई हो, विस्तृत अभिलेख भी पृथक रूप से रखा जाएगा और उसे निर्यात के लिए सुसंगत लागत विवरण में दर्शाया जाएगा।

14. चालू काम और तैयार स्टॉक :

प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के चालू काम और तैयार स्टॉक की लागत का अवधारण करने के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में इस प्रकार उपदर्शित की जाएगी ताकि ऐसे लागत तत्व को प्रकट किया जा सके जो ऐसी संगणना करने में हिसाब में लिए गए हैं। चालू काम की लागत की संगणना करते समय संपरिवर्तन लागत का समुचित अंश पूर्ण होने की स्थिति तक, हिसाब में लिया जाएगा। चालू काम और तैयार माल की लागत का अवधारण करने के लिए अपनाई गई पद्धति का संगत रूप से अनुसरण किया जाएगा।

15. लागत विवरण :

(1) प्रशीतित्रों और उनके संघटकों के विनिर्माण या उत्पादन में अंगीकृत प्रत्येक प्रक्रिया के लिए चालू वित्तीय वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की प्रतिष्ठापित क्षमता, उत्पादन, अपशिष्टों, निर्गमों और विक्रय और लागत के सभी तत्वों के ब्लौरे दर्शाने वाला लागत विवरण तैयार किया जाएगा।

(2) विभिन्न उत्पादन केन्द्रों में विनिर्मित संघटकों का, जो प्रतिनिर्देशाधीन उत्पाद के अंतिम सम्बन्धन के लिए भेजे जा रहे हैं, ऐसे हस्तांतरण की स्थिति तक उत्पादन की लागत के अनुसार मूल्यांकन किया जाएगा।

(3) यदि कंपनी एक से अधिक संयंत्र/कारखाने चला रही है तो प्रत्येक संयंत्र/कारखाने की बाबत ऊपर विनिर्दिष्ट रूप में पृथक लागत विवरण रखे जाएंगे।

16. उत्पादन अभिलेख :

कंपनी द्वारा उत्पादित प्रतिनिर्देशाधीन विभिन्न प्रकार के उत्पाद के सभी तैयार और पैक किए गए उत्पादन, विक्रय के लिए निर्गमों और अतिशेष के परिमाणात्मक अभिलेख रखे जाएंगे।

17. लागत आर वित्तीय लेखाओं का मिलान :

(1) लागत विवरणों का, वित्तीय वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से लागत अभिलेख/विवरण में विचार नहीं किए गए व्यायों/आयों को विनिर्दिष्ट रूप से उपदर्शित करते हुए इस प्रकार मिलान किया जाएगा जिससे उनकी शुद्धता निश्चित की जा सके। परिवर्तन यदि कोई हो, स्पष्ट रूप से उपदर्शित किए जाएँगे और उनका स्पष्टीकरण दिया जाएगा।

(2) कंपनी द्वारा विभिन्न लेखा शीर्षों के अधीन उपगत कुल व्यय और प्राप्त आय और उत्पादों के लागू अंश, दर्शाने वाला एक विवरण तैयार किया जाएगा और उसका वित्तीय विवरणों के साथ मिलान किया जाएगा।

18. लागत अन्तरों का समायोजन :

जहां कंपनी लागत अभिलेख भानक लागत जैसे वास्तविक आधारों से भिन्न किसी आधार पर रखती है, वहां कंपनी द्वारा ऐसी पद्धति के अधीन उत्पाद की लागत की संगणना के लिए अनुसरित प्रक्रिया अभिलेख में उपदर्शित की जाएगी। उत्पाद की वास्तविक लागत के अवधारण में लागत अन्तरों के समायोजन के लिए अनुसरित पद्धति लागत अभिलेखों में स्पष्ट रूप से उपदर्शित की जाएगी। लागत अन्तरों को पृथक शीर्षों के सामने दर्शाया जाएगा और सामग्री, श्रम, उपरिव्यय में विश्लेषित किया जाएगा और आगे मात्रा, मूल्य तथा दक्षता अंतरों में पृथक्कृत किया जाएगा। लागत/अभिलेख विवरण में अन्तरों के कारणों को सम्यक् रूप से स्पष्ट किया जाएगा।

19. सांख्यिकीय अभिलेख :

(1) विभिन्न उत्पादन विभागों में उपलब्ध मशीन घंटे/प्रत्यक्ष श्रम घंटे और वस्तुतः उपयोग के बारे में भी अभिलेख रखे जाएंगे और कभी का उपयुक्त रूप से विश्लेषण किया जाएगा। मशीन के निष्कार्य के समय की संगणना की बाबत उपयुक्त अभिलेख रखा जाएगा और उसका विश्लेषण भी किया जाएगा।

(2) प्रशीतित्रों और उनके संघटकों तथा अन्य उत्पादों के निर्माण/विनिर्माण और अन्य क्रियाकलापों के लिए लगाई गई पूँजी, शुद्ध निश्चित आस्तियों और कामकाजी पूँजी का पता लगाने की बाबत कंपनी को समर्थ बनाने के लिए पृथक रूप से पर्याप्त अभिलेख रखे जाएंगे। ऐसी निश्चित आस्तियों पर नए विनिधान को जिसका सुसंगत अवधि के दौरान उत्पादन के लिए अभिदाय नहीं किया गया है, लागत अभिलेखों में उपदर्शित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अभिलेखों में प्रतिस्थानी के रूप में जोड़ी गई आस्तियों और विद्यमान क्षमता को बढ़ाने के लिए जोड़ी आस्तियों को भी दर्शित किया जाएगा।

20. प्रदूषण नियंत्रण :

पर्यावरण संरक्षण के लिए कंपनी द्वारा अनेक उपायों जैसे वहिःसाव उपचार, वायु, जल इत्यादि के प्रदूषण नियंत्रण पर उपगत व्यय समुचित रूप से अभिलिखित किया जाना चाहिए।

21. मानव संसाधनों का विकास :

कंपनी द्वारा मानव संसाधनों के विकास के क्रियाकलापों पर उपगत व्यय को अभिलिखित किया जाएगा।

प्रोफार्म

कंपनी का नाम

कारखाने का नाम और पता

.....वर्ष/अवधि के दौरान उत्पादित या विनिर्मित प्रशीतिनों/संघटकों के बारे में विक्रय लागत, विक्रय वसूली और अंतर को दर्शित करने वाला संक्षिप्त विवरण

अ. मात्रा संबंधी सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियां	संख्या में	
		चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
1.	संस्थापित क्षमता		
2.	उत्पादित मात्रा		
3.	क्षमता का उपयोग		
4.	विक्रय की गई मात्रा (क) घरेलू (ख) निर्यात		
5.	केटिव रूप से उपयोग की गई मात्रा		
6.	अन्तिम स्टॉक		
7.	आरम्भिक स्टॉक		

आ. वित्तीय सूचना :

क्रम सं.	विशिष्टियां	मात्रा	दर (₹)	रकम (लाख में)	प्रति यूनिट (₹ में)	
					चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
1.	सामग्री लागत (मदवार मूल्य का 80 प्रतिशत सम्मिलित करते हुए) (क) कच्ची सामग्री (ख) विनिर्मित संघटक (ग) क्रय किए गए संघटक (घ) अन्य (ङ) कुल (क से घ)					
2.	प्रत्यक्ष मजदूरी और वेतन					
3.	बाहरी कार्य प्रभार					
4.	उपयोगिताएं (क) शक्ति					

	(ख) अन्य (मुख्य भद्रों को विनिर्दिष्ट करें) (ग) कुल (क और ख)				
5.	खपने वाला सामान और पुर्जे				
6.	अवक्षयण				
7.	मरम्मत और अनुरक्षण				
8.	स्वामिस्व				
9.	अनुसंधान और विकास				
10.	क्वालिटी नियंत्रण				
11.	कारखाने का उपरिव्यय				
12.	प्रशासनिक उपरिव्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें) (ग) कुल (क + ख)				
13.	कुल (1 से 12)				
14.	स्टॉक समायोजन (चालू काम)				
15.	घटाएँ : स्कैप से प्राप्त रकम				
16.	उत्पादन लागत				
17.	स्टॉक समायोजन (तैयार उत्पाद)				
18.	उत्पादन की शुद्ध लागत				
19.	पेकिंग लागत				
20.	विक्रय और वितरण व्यय (क) वेतन और मजदूरी (ख) माल भाड़ा और परिवहन प्रभार (ग) विक्रय अभिकर्ताओं का कमीशन (घ) विझापन व्यय (ज) अन्य (च) कुल (क से ऊ)				
21.	प्रभारीय सेवा से होनेवाली आय का समायोजन करने के पश्चात् विक्रय के बाद होने वाली सेवा की लागत				

22.	विक्रय की लागत				
23.	ब्याज				
24.	कर्मचारियों को वार्षिक बोनस (क) न्यूनतम कानूनी बोनस (ख) कानूनी बोनस से भिन्न				
25.	उपबन्धी सहित कानूनी उपदान				
26.	कुल व्यय जिसमें उत्पाद शुल्क नहीं है				
27.	उत्पाद शुल्क को छोड़कर कुल विक्रय वसूली				
28.	अन्तर (27 - 26)				

टिप्पण :-

- विनिर्मित उत्पाद के प्रत्येक प्रकार और वर्णन के लिए पृथक-पृथक प्रोफार्मा तैयार किया जाएगा।
- देश में विक्रीत और निर्यात की गई मात्रा के लिए पृथक-पृथक प्रोफार्मा तैयार किए जाएंगे। निर्यात पर उपगत व्यय और इस पर अर्जित प्रोत्साहन को उत्पादित और निर्यातित मात्रा के लिए लागू प्रोफार्मा में उपदर्शित किया जाएगा।

[फा. सं. 52/12/सीएनी-98]
जी. पी. प्रभु, संयुक्त सचिव

टिप्पण :- मूल अधिसूचना सा.का.नि.1448 तारीख 14-09-1967 में प्रकाशित की गई थी और उसके पश्चात निम्नलिखित सा.का.नि. सं. और तारीख द्वारा संशोधित की गई, अर्थात् :-

- सा.का.नि.सं. 1505 तारीख 05-08-1968,
- सा.का.नि.सं.781 तारीख 03-06-1977,
- सा.का.नि.सं. 19 तारीख 05-01-1983,
- सा.का.नि.सं. 542 तारीख 22-07-1989,
- सा.का.नि.सं.302/प्र)तारीख 24-03-1993,
- सा.का.नि.सं.428(अ)तारीख 03-08-1998

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 1999

G. S. R. 669 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642 read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Refrigerators) Rules, 1967, namely: —

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Refrigerators) Amendment Rules, 1999.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Refrigerators) rules, 1967 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 3, —
 - (a) in sub-rule (1), after the figures, letters and words "1st day of October 1967", the words, letters and figures "till the 31st day of March, 2000 shall be inserted";
 - (b) after sub-rule (2), the following sub-rules shall be inserted, namely:—

"(3) Every company to which these rules apply shall, in respect of each of its financial year commencing on or after the 1st day of April, 2000 keep proper books of account containing, inter-alia, the particulars specified in Schedule III annexed to these rules and Proforma mentioned in the said Schedule relating to the utilization of materials, labour and other items of cost in so far as they are related to the manufacture or production of Refrigerators and components thereof.

Provided that if the said company is manufacturing any other product(s) or is engaged in other activities in addition to manufacture of Refrigerators and components thereof, the particulars relating to utilization of materials, labour and other items of cost in so far as they are applicable to such other products or activities shall not be included in the cost of Refrigerators and components thereof.

(4) The books of accounts referred to in sub-rule (3) shall be kept on a regular basis in such a manner as to make it possible to calculate the cost of production and cost of sales of all types of Refrigerators and components thereof manufactured or produced for every financial year from the particulars entered therein and every such books of account and the proforma specified in the said Schedule III shall be completed not later than ninety days from the close of the financial year of the company to which they relate.

5) Statistical and other records shall be maintained in accordance with the provisions of the Schedule III which shall be such as to enable the company to exercise as far as possible, control over the various operations and costs with a view to achieve optimum economies in cost and provide the necessary data required by the Cost Auditor to suitably report on all the points referred to in Cost Audit (Report) Rules, 1996.

(6) It shall be the duty of every person, referred to in sub-sections (6) and (7) of section 209 of the Companies Act 1956 (1 of 1956), to take all reasonable steps to secure compliance by the company with the provisions of sub-rules (1), (2), (3), (4) and (5) of this rule in the same manner as he is liable to maintain accounts required under sub-section (1) of section 209 of the said Act."

3. In the said rules, after Schedule II the following Schedule shall be inserted, namely:

"SCHEDULE III
(See rule 3(3))

1. MATERIALS AND COMPONENTS:

(1) Proper records shall be maintained showing separately all receipts, issues and balances both in quantities and cost of each item of raw material like HIP granules, foaming chemicals, CRC sheets, including bought out components like compressor, baffle tray, crisper tray, thermostat etc. required for the production of each type of Refrigerators and components thereof. These records shall contain such details so as to enable the company to determine the quantity and cost of receipt (including all direct charges upto the works such as freight and insurance in respect of major raw materials), issues and balances in quantity as

well as value of each item of all such raw materials. The basis on which the said quantities and costs of issue and consumption have been calculated shall be indicated in the cost records and followed consistently. In the case of imported raw materials records shall be maintained showing separately details such as FOB value, Overseas Freight, Insurance, Custom Duty and Inland freight charges. If both indigenous and imported materials are consumed, records showing details of percentage mix of the same have to be maintained for each item. Materials processed through outside parties shall be recorded separately.

- (2) In case of major components manufactured by the company itself separate records shall be maintained for the quantity manufactured and the cost of manufacture/production of such components.
- (3) Proper records shall be maintained to show the receipts, issues and balances, both in quantities and cost of each item of consumable stores, tools and machinery spares etc. The cost shall include all direct charges upto works.
- (4) In the case of consumable stores and small tools the cost of which are insignificant, the company may, if it so desires, maintain such records for the group of such consumable stores and tools.
- (5) The cost of consumption of consumable stores, small tools and machinery spares shall be charged to the relevant cost centre/department on the basis of actual issues.
- (6) Proper records shall be maintained showing the quantity and value of wastage, spoilage, rejections and losses of raw materials, whether in transit or storage manufacture or at any other stage. The method followed for adjusting the above rejected and waste materials including spoilage, if any, in determining the cost of product shall be indicated in the cost records. Any abnormal wastage or spoilage or rejection shall be indicated distinctly and separately along with reasons thereof. The records shall also be maintained to indicate the value of raw materials and components, finished and semi-finished which have not moved for more than 12 months.
- (7) Where any credit under Modified Value Added Tax (MODVAT) or any other benefit under the Central Excise, 1944 (1of 1944) are available on any item of material, the cost of

such material should be shown after adjusting such credit or benefits.

2. SALARIES AND WAGES:

- (1) Proper records shall be maintained to show the attendance and earnings of all employees of the cost centres/departments and the work on which they are employed. The records shall also indicate the following separately for each cost centre or department:
 - (a) piece rate wages (wherever applicable);
 - (b) incentive wages either individually or collectively as production bonus or under any other scheme based on output;
 - (c) overtime wages;
 - (d) earnings of casual labour;
 - (e) bonus or gratuity;
 - (f) any other earning.
- (2) The records shall be maintained in such a manner to enable the company to furnish necessary particulars under this head in Proforma of Schedule III annexed to these rules. Records may be maintained to book these expenses cost centrewise/departmentwise like fabrication shop, paint shop, vacuum foaming shop, assembly shop etc. Where the employees work in such a manner that it is not possible to identify them with any cost centre/department, the labour charges shall be apportioned to the cost centres or departments on equitable basis and applied consistently.
- (3) Idle time shall be separately recorded under classified headings indicating the reasons therefor. The method followed for accounting of idle time payments in determining the cost of the product shall be disclosed in the cost records.
- (4) Any wages and salaries allocable, to capital works such as additions to plant and machinery, buildings or other fixed assets shall be accounted for under the relevant capital heads.

3. SERVICE DEPARTMENT EXPENSES:

Detailed records shall be maintained to indicate expenses incurred in respect of each service department or cost centre

like laboratory, welfare, transport etc. These expenses shall be apportioned to other services and production departments on equitable and reasonable basis and applied consistently. Where these services are utilised for other products of the company also, the basis of apportionment of such expenses to any type of Refrigerators and components thereof and to the other products shall be equitable and clearly indicated in the records and applied consistently.

4. UTILITIES :

- (1) Power - Proper records shall be maintained for the units and cost of power purchased for the production of refrigerators in different cost centres/ departments. Where power is generated by the company itself, adequate records, showing all elements of cost shall be maintained to show the cost of power generated and consumed for the production of the Refrigerators and components thereof in different cost centres /departments. Records shall also indicate installed capacity, number of units generated losses and consumption in each cost centre/department separately. Where power is generated and supplied by any other unit of the company to the Refrigerators plant adequate records shall be maintained to indicate the quantity and cost of power so supplied. The cost of power allocated to the production or manufacture of Refrigerators and components thereof shall be on a reasonable basis and applied consistently. Records should state clearly the measures taken on conservation of energy and its corresponding impact on unit cost of production.
- (2) Other Utilities - Proper records showing quantity and cost shall be maintained in respect of any other utilities other than power produced or purchased by the company for the production or manufacture of Refrigerators and components thereof.

5. WORKSHOP/REPAIRS AND MAINTENANCE/TOOL ROOMS:

- (1) Proper records showing the expenditure incurred by the workshop/tool rooms under different heads and on repairs and maintenance by the various cost centres/departments shall be maintained. The records shall also indicate the basis of charging the workshop/tool room expenses to different cost centres/departments. Where maintenance work is done by direct workers of any production cost

centre/department, the wages and salaries of such workers shall be treated as direct expenses of the respective cost centre/department. If the services are utilized for other product also, the manner of charging a share to such products shall be equitable and clearly indicated in records and applied consistently. In addition to the above, records should indicate the amount and also the proportion or closing inventory of stores and spare parts representing items which have not moved for over 24 months.

- (2) Expenditure on major repair works from which benefit is likely to accrue for more than one financial year shall be shown separately in the cost records indicating the method of accounting in determining the cost with reference to the period for which the benefit of such expenditure is likely to last.

6. DEPRECIATION:

The basis on which depreciation is calculated and allocated/apportioned to the various cost centres / departments and absorbed on all products shall be clearly indicated in the cost records. If depreciation chargeable to the cost centres/ departments is in excess or lower than the rate of depreciation prescribed under the provisions of sub-section (2) of section 205 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), such amount of excess or lower depreciation shall be indicated clearly in the cost records. The cost records shall also show the effect of such excess or lower depreciation as the case may be, on the per unit cost of Refrigerators and components thereof. The cumulative depreciation charged in the cost records, against any individual item of asset shall not, however, exceed the original cost of the respective asset.

7. OTHER OVERHEADS:

- (1) Proper records shall be maintained for the product under reference showing the various items of expenses comprising the other overheads. These expenses shall be analysed, classified and grouped according to functions, namely, works, administration, selling and distribution.
- (2) Where the company is manufacturing products other than Refrigerators and components thereof, the records shall clearly indicate the basis followed for apportionment of the common overheads including head office expenses of the

company to such products and Refrigerators and components thereof, including capital works. Where certain expenses forming part of overheads can be identified with a particular activity or a product, such expenses shall be segregated and charged to the relevant activity or product in the first instance and thereafter the residue expenses under the above categories of overheads shall be apportioned on a reasonable and equitable basis and applied consistently. Overheads chargeable to capital works shall be indicated separately in the cost records. Basis of apportionment or absorption of overheads to the cost centres/departments and products shall be indicated in the cost records.

- 3) The records shall be maintained in such a manner so as to indicate the details of works, administration, selling and distribution overheads.

8. ROYALTY/TECHNICAL KNOW-HOW FEE:

Adequate records shall be maintained showing the royalty and / or technical know-how fee including other recurring or non-recurring payments if any, made for the product under reference to collaborators or technology suppliers in terms of agreements entered into with them. Such records shall be kept separately in respect of each such collaborator or supplier. The basis of charging such amount, including lump sum payment, to the products shall be indicated in the cost records.

9. RESEARCH AND DEVELOPMENT EXPENSES:

- (1) Proper records showing the details of expenses, if any, incurred by the company for the research and development work on the product covered under these rules according to the nature of development of products, existing and new product, development of process of manufacture, existing and new, design and development of new plant facilities and market research for the existing and new products etc., shall be maintained separately.
- (2) The method of charging these expenses to the Refrigerators and components thereof and all other products shall be indicated in the cost records. Where the utility of such research and development work extends over more than one financial year, such expenses shall be treated as deferred expenses and charged to the cost of

production of Refrigerators and components thereof and all other products if any, on a

(3) Expenses incurred by the Research and Development Department for providing technical know-how to outsiders shall be recorded separately and excluded from the cost of Refrigerators and components thereof. The amount recovered for providing technical know-how to outsiders shall also be indicated

10. QUALITY CONTROL:

Adequate records shall be maintained to indicate the expenses incurred in respect of quality control department or cost centre for the product under reference. Where these services are also utilised for other products of the company, the basis of apportionment to the Refrigerators and components thereof and to the other products shall be equitable and clearly indicated in the records and applied consistently.

11. INTEREST:

The amount of interest shall be allocated or apportioned to the products covered by these rules and other activities on a reasonable and equitable basis, which shall be followed consistently. Basis of further charging of the share of the interest to the various types of such products shall also be reasonable and equitable and the same shall be followed consistently. The basis of such allocation or apportionment shall be spelt out clearly in the cost records/statements.

12. EXPENSES/INCENTIVES ON EXPORTS:

Proper records showing the expenses incurred on the export sales, if any, of the Refrigerators and components thereof shall be separately maintained so that the cost of export sales can be determined correctly. Separate cost statements shall be prepared for Refrigerators and components thereof exported giving details of export expenses incurred/incentive earned. In case, duty free imports are made, the cost statements should reflect this fact. If the duty free imports have been made after actual production, the statement should reflect this fact also.

13. PACKING EXPENSES:

- (1) Proper records shall be maintained showing the quantity and cost of various packing materials and other expenses incurred on packing for marketing of the Refrigerators and components thereof. Where such expenses are incurred in common for other products also, the basis of apportioning the expenses between the relevant products shall be clearly indicated in the cost records and applied consistently.
- (2) Detailed records of the expenses incurred on export packing, if any, shall also be kept separately and exhibited in the relevant cost statements for exports.

14. WORK IN PROGRESS AND FINISHED STOCK:

The method followed for determining the cost of work in progress and finished stock of the Refrigerators and components thereof shall be indicated in the cost records so as to reveal the cost element that have been taken into account in such computation. The appropriate share of conversion cost upto the stage of completion shall be taken into account while computing the cost of work in progress. The method adopted for determining the cost of work in progress and finished goods shall be followed consistently.

15. COST STATEMENTS:

- (1) Cost statement showing details of installed capacity, production, wastage, issues and sales and all elements of cost of the current financial year and previous year shall be prepared for each process adopted in manufacture or production of Refrigerators and components thereof.
- (2) Components manufactured in different production centres going in to final assembly of the product under reference shall be valued at the cost of production upto the stage of such transfer.
- (3) If the company is operating more than one plant/factory, separate cost statements as specified above shall be maintained in respect of each plant/factory.

16. PRODUCTION RECORDS:

Quantitative records of all finished and packed production, issues for sales and balances of different types of the product under reference produced by the company shall be maintained.

17. RECONCILIATION OF COST AND FINANCIAL ACCOUNTS:

- (1) Cost statements shall be reconciled with the financial statements for the financial year specifically indicating the expenses/incomes not considered in the cost records/statements so as to ensure accuracy. Variations, if any, shall be clearly indicated and explained.
- (2) A statement showing the total expenses incurred and income received by the company under different heads of accounts and the share applicable to the products shall be prepared and reconciled with the financial statement.

18. ADJUSTMENT OF COST VARIANCES:

Where the company maintains cost records on any basis other than actual such as standard costing, the records shall indicate the procedure followed by the company in working out the cost of the product under such system. The method followed for adjusting the cost variances in determining the actual cost of the product shall be indicated clearly in the cost records. The cost variances shall be shown against the separate heads and analysed into material, labour, overheads and further segregated into quantity, price and efficiency variances. The reasons for the variances shall be duly explained in the cost records/statements.

19. STATISTICAL RECORDS:

- (1) Records regarding available machine hours/direct labour hours in different production departments and actually utilised shall be maintained and shortfall suitably analysed. Suitable records for computation of idle time of machines also shall be maintained and analysed.
- (2) Adequate records shall be maintained to enable the company to identify the capital employed, net fixed assets and working capital separately for the production/manufacture of Refrigerators and components

thereof, other products and other activities. Fresh investments on fixed assets that have not contributed to the production during the relevant period shall be indicated in the cost records. The records shall, in addition, show assets added as replacement and those added for increasing existing capacity.

20. POLLUTION CONTROL:

Expenditure incurred by the company on various measures to protect the environment like effluent treatment, control of pollution of air, water etc., should be properly recorded.

21. HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT:

Expenditure incurred by the company on the human resource development activity shall be recorded.

Proforma

Name of the company

Name and address of the factory

Statement showing the summary cost of sales, sales realisation and margin in respect of Refrigerators/components produced or manufactured during the year/period

A. Quantitative Information:

Serial Number	Particulars	In Numbers	
		Current Year	Previous Year
1.	Installed Capacity		
2.	Quantity Produced		
3.	Capacity Utilization		
4.	Quantity sold (a) Domestic (b) Export		
5.	Captive consumption		
6.	Closing stock		
7.	Opening stock		

B. Financial Information:

Serial Number	Particulars	Quantity	Rate	Amount	Per Unit (in Rupees)	
			Rupees	Rupees (in lacs)	Current Year	Previous Year
1.	Material cost (itemwise covering 80% of value) (a) Raw materials (b) Manufactured components (c) Bought out components (d) Others (e) Total (a to d)					
2.	Direct Wages and Salaries					
3.	Outside Job Charges					
4.	Utilities (a) Power (b) Others (specify major items) (c) Total (a and b)					
5.	Consumable Stores and spares					
6.	Depreciation					
7.	Repairs and Maintenance					
8.	Royalty					
9.	Research and Development					
10.	Quality control					
11.	Factory overhead					
12.	Administrative Overhead (a) Salaries and wages (b) Others (Please specify) (c) Total (a+b)					
13.	Total (1 to 12)					
14.	Stock Adjustment (Work in progress)					
15.	Less: Credits from scraps					

16.	Cost of Production				
17.	Stock Adjustment (finished products)				
18.	Net cost of Production				
19.	Packing Cost				
20.	Selling and Distribution Expenses (a) Salaries and Wages (b) Freight and Transport Charges (c) Commission to selling agents (d) Advertisement Expenses (e) Others (f) Total (a to e)				
21	After sales service cost after adjusting income from chargeable services				
22.	Cost of Sales				
23.	Interest				
24.	Annual Bonus to employees (a) Minimum Statutory Bonus (b) Other than Statutory Bonus				
25.	Statutory Gratuity including provisions				
26.	Total expenses excluding excise duties				
27.	Total sales realisation excluding excise duties				
28.	Margin (27 - 26)				

Notes:-

1. Separate proforma shall be prepared for each type and description of product manufactured.
2. Separate proforma shall be prepared for the quantity sold within the country and the quantity exported. Expenses incurred on export and the incentive earned thereon shall be indicated in the proforma applicable for the quantity produced and exported."

[F. No. 52/12/CAB-98]

G. P. PRABHU, Jt. Secy.

Note - The principal notification was published vide G.S.R. 1448 dated 18-9- 1967 and the same was subsequently amended vide G.S.R. numbers and dates, namely:-

- (i) GSR No. 1505 dated 05-08-1968,
- (ii) GSR No. 781 dated 03-06-1977,
- (iii) GSR No. 19 dated 05-01-1983,
- (iv) GSR No. 542 dated 22-07-1989,
- (v) GSR No. 302(E) dated 24-03-1993,
- (vi) GSR No. 428(E) dated 03-08-1998.